

//-- सुविचार --//

किसी बड़ी चीज को पाने के लिए असाधारण काम ही करने पड़ते हैं

सूर्योदय-सूर्यास्त

उदय : 05:48 प्रातः

अस्त : 06:02 संध्या

प्रदेश का मौसम

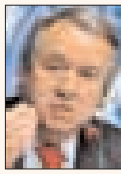
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	19.0
जमशेदपुर	37.0	21.0
हजारीबाग	34.0	21.0
डाल्टनगंज	36.0	20.0

संक्षिप्त

भारत आये अजय बंगा कोरोना पॉजिटिव

 नई दिल्ली। विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के नामित उम्मीदवार अजय बंगा दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। उनकी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य नेताओं से मुलाकात होनी थी। इस बीच नई दिल्ली में नियमित जांच के दौरान वो कोविड संक्रमित पाये गये हैं। इसके बाद उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। यूएस के ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने कहा कि भारतीय मूल के विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अजय बंगा के भारत दौरे का आज आखिरी दिन है। यह उनकी वैश्विक यात्रा का भी अंतिम पड़ाव है।

संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा राहुल का मामला

 न्यूयॉर्क। भारत में अदालत द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सुनाई गयी दो साल की सजा का मामला संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेर्रेस ने कहा कि भारत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा और कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उनकी पार्टी द्वारा अपील करने की खबरों से संयुक्त राष्ट्र अवगत है। पत्रकार वार्ता के दौरान फरहान हक ने कहा, हम समझते हैं कि उनकी पार्टी फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। इस स्तर पर मैं इतना ही कह सकता हूं।

भारतीय को अमेरिकी अदालत ने सुनाई 188 माह जेल की सजा

वाशिंगटन। बाल यौन शोषण को बढ़ावा देने के मामले में एक भारतीय नागरिक को अमेरिका की एक अदालत ने दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी ठहराये गये व्यक्ति को 188 माह जेल की सजा सुनाई है। मूल रूप से भारत के गोवा का निवासी 34 वर्षीय एंजेलो विक्टर फर्नांडेज अमेरिका के एक क्रूज शिप का कर्मचारी है। एंजेलो पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री को बांटने का आरोप सिद्ध हुआ है।

सरहुल महोत्सव में शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जल -जंगल -जमीन है, तभी हमारा वजुद है। अगर हम प्रकृति को संरक्षित नहीं कर पाए तो आने वाली पीढ़ी को कई बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ को रोकने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। मुख्यमंत्री ने सिरमटोली सरना समिति की ओर से आयोजित सरहुल महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों की तरह शहर भी हरा -भरा रहे, इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सरना स्थल में पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर राज्य वासियों के सुख-



समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरहुल का त्योहार एक ओर हमें

प्रकृति से जोड़ता है तो दूसरी तरफ अपनी समृद्ध परंपरा और संस्कृति का सुखद अहसास कराता है। यही वजह

है कि आदिवासी समाज वर्षों से प्रकृति पूजा की परंपरा को निभाते चले आ रहे हैं। आज के भौतिकवादी युग में हमारी जरूरतें जिस तेजी से बढ़ रही है, उसी हिसाब से चुनौतियां भी सामने आ रही है। इसका सीधा असर हमारी प्राकृतिक व्यवस्था व्यवस्था पर पड़ रहा है। अगर अपनी जरूरतों और चुनौतियों के बीच संतुलन नहीं बना पाए तो इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। ऐसे में जरूरत है कि प्रकृति की गोद से जो हम हासिल कर रहे हैं, उसे पूरा लौटाना तो नामुमकिन है, लेकिन पेड़ लगाकर और पेड़ बचाकर हम प्रकृति के प्रति कुछ तो अपना योगदान कर सकते हैं।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म. मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को 24 घंटे में दो बड़े झटके

अब भाजपा-कांग्रेस में आरपार की लड़ाई



क्या कहा राहुल ने

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी सदस्यता रद्द किए जाने के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता शुक्रवार को रद्द कर दी गयी। लोकसभा सचिवालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी। राहुल को गुरुवार को सूत्र की अदालत ने मोदी उपनाम से जुड़े मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनायी थी।

कांग्रेस को ऊपरी कोर्ट से राहत की उम्मीद

लोकसभा से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि राहुल गांधी का अगला कदम क्या होगा। वो कौन से रास्ते हैं जिससे राहुल गांधी इस मामले से बाहर आ सकते हैं। कुछ कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस सांसद अयोग्य हो गए थे। वहीं, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अगर वो सजा को पलटवाने में कामयाब हो जाते हैं तो इस कार्रवाई को रोक जा सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता और मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा का कहना है कि ये मामला पूरी तरह से भाजपा की एक सोची समझी साजिश और प्लानिंग का हिस्सा है। भाजपा ने रणनीति बनाकर इस काम को अंजाम दिया है। 2019 में राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में एक रैली में भाषण दिया था। इसके बाद भाजपा ने अपने पूर्व मंत्री से राहुल गांधी के खिलाफ केस लगाया। जुलाई 2020 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी सूत्र कोर्ट में हाजिर हुए और

अपना पक्ष रखा। इसके बाद तीन साल तक मामले में सुनवाई चलती रही। अचानक अभी कोर्ट ने सुनवाई पूरी की और राहुल को दोषी करार दे दिया। केस के मामले में जो परिस्थितियां नजर आ रही हैं। वह खुद ही अपनी कहानी बयां कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह केस कुछ दिन की बात है। कोर्ट ने जो फैसला दिया है उस पर कांग्रेस और कांग्रेस की विधि विभाग की टीम और पार्टी के सभी वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञ आज शाम को चर्चा करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी अपील फाइल करेंगे। कोर्ट में बताएंगे कि किन आधार पर यह फैसला गलत है। हमें पूरी उम्मीद है कि राहुल गांधी को कोर्ट से राहत मिल जाएगी। निश्चित तौर पर ऊपरी अदालत से इस मामले में रस्टे हो जायेगा। केस को विधिवित रूप से पूरी ताकत के साथ कोर्ट में लड़ा जायेगा, क्योंकि केस सड़क पर नहीं लड़े जाते हैं। लेकिन भाजपा सरकार और उसके आल्याचार के खिलाफ पूरी कांग्रेस पार्टी देशभर में सड़कों पर उतरेगी।

बिहार में दिखा चांद का अद्भुत नजारा

चंद्रमा के नीचे चमकता दिखा शुक्र

पटना : बिहार वासी शुक्रवार शाम को जब रमजान की शाम का चांद निहारने आसमान को ताकने लगे तो यह अद्भुत नजारा दिखा। चांद के ठीक नीचे चमकता तारा देखा गया है। चांद के बिल्कुल करीब तारे जैसी जो रौशनी है, वो दरअसल वीनस (शुक्र ग्रह) है। यह खूबसूरत तस्वीर चर्चा विषय बनी हुई है। इस दौरान लोगों ने फौरन इसके फोटो और वीडियो बना लिए। चांद के साथ तारे के ऐसे निराले अंदाज को काफी पसंद किया जा रहा है।

नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका चारु ने बताया कि इनमें से वीनस अठ्ठारह करोड़ बावन लाख किलो मीटर दूर था। यह माइनस 3.98 मैग्निट्यूड से चमक रहा था। वहीं, चंद्रमा 3 लाख 79 हजार किलोमीटर दूर था। दूर रहते हुए दस प्रतिशत चमक के साथ था। सारिका चारु ने बताया कि दूरी में इतना बड़ा अंतर होते हुए भी इनका कोण पृथ्वी से देखने पर इस प्रकार था कि वे जोड़ी बनाते नजर आ रहे थे।



हालांकि, पृथ्वी और शुक्र ग्रह मीलों दूर हैं, लेकिन जैसा कि वे एक सममित रेखा में एक साथ संरेखित करते हैं। शुक्र सौर मंडल के सबसे चमकीले ग्रहों में से एक है, क्योंकि अगर यह 70% सूर्य के प्रकाश को वापस परावर्तित कर देता है और यह पृथ्वी ग्रह के सबसे निकट भी है।

प्रतिक्रिया. भाई राहुल की ढाल बनकर सामने आर्यी प्रियंका, कहा

लूट पर सवाल उठा तो बौखला गये प्रधानमंत्री

नई दिल्ली : कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के समर्थन में उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड़ा उतर आई हैं। शुक्रवार को जैसे ही राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने की खबर आई, प्रियंका ने एक साथ कई ट्वीट में अपनी बात कथ दी। प्रियंका गांधी के ट्वीट की भाषा बता रही थी कि इस बार भाजपा का वार आहत करने वाला है। जब सोनिया गांधी, राहुल के आवास पर पहुंची, तब प्रियंका ने ये ट्वीट किए हैं। उन्होंने लिखा कि नरेंद्र मोदी जी, आपके चमचों ने एक शहीद प्रधानमंत्री के बेटे को देशद्रोही, मीर जाफर कहा। आपके एक मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी का पिता कौन है ? इसके बाद प्रियंका ने कई ट्वीट कर दिए। उन्होंने लिखा कि कश्मीरी पंडितों के रिवाज निभाते हुए एक बेटा पिता की मृत्यु



के बाद पगड़ी पहनता है, अपने परिवार की परंपरा कायम रखता है। भरी संसद में आपने पूरे परिवार और कश्मीरी पंडित समाज का अपमान करते हुए पूछा कि वह नेहरू नाम क्यों नहीं रखते। उस वक्त आपको किसी जज ने दो साल की सजा नहीं दी। आपको संसद से डिस्क्वालिफाई नहीं किया गया। राहुल जी ने एक सच्चे देशभक्त की तरह अड़ाणी को

लूट पर सवाल उठाया है। नीरव मोदी और मेहल चौकसी पर सवाल उठाया है। प्रियंका ने पूछा कि क्या आपका मित्र गौतम अड़ाणी, देश की संसद और भारत की मथान जनता से बड़ा हो गया है कि उसकी लूट पर सवाल उठा तो आप बौखला गये। आप भरे परिवार को परिवारवादी कहते हैं, जान लीजिए, इस परिवार ने भारत के लोकतंत्र को अपने खून से सींचा है, जिसे आप खत्म करने में लगे हैं। इस परिवार ने भारत की जनता की आवाज बुलंद की है और पुरतों से सच्चाई की लड़ाई लड़ी है। प्रियंका गांधी वाड़ा ने कहा कि हमारी रंगों में जो खून दौड़ता है उसकी एक खासियत है, आप जैसे सत्तालोभी तानाशाह के सामने वह कभी नहीं झुका और कभी नहीं झुकेंगा। आप कुछ भी कर लीजिए।

राहुल की सांसदी जाने के बाद विपक्ष गोलबंद

राहुल गांधी की लूट पर कांग्रेस के अलावा दूसरी विपक्षी दल भी एक सुर में मोदी सरकार पर हमलावर हैं। मजबूत हो गई है। इससे पहले तक भ्रष्टाचार या किसी अन्य आरोप में किसी विपक्षी पार्टी के नेता पर कार्रवाई हो रही थी तब सभी विपक्षी दल एक सुर में उसकी निंदा नहीं कर रहे थे। मिसाल के तौर पर, अभी छिले महीने ही जब दिल्ली के तत्कालीन डेप्युटी सीएम और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिंसोवैया की गिरफ्तारी हुई तो कांग्रेस उस पर एक तरह की रणनीतिक चुप्पी साधे रखी। लालू यादव परिवार के खिलाफ ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते हुए नजर आए। लेकिन राहुल गांधी की सदस्यता

खत्म किए जाने पर कांग्रेस के अलावा दूसरी विपक्षी दल भी एक सुर में मोदी सरकार पर हमलावर हैं। मजबूत हो गई है। इससे पहले तक भ्रष्टाचार या किसी अन्य आरोप में किसी विपक्षी पार्टी के नेता पर कार्रवाई हो रही थी तब सभी विपक्षी दल एक सुर में उसकी निंदा नहीं कर रहे थे। मिसाल के तौर पर, अभी छिले महीने ही जब दिल्ली के तत्कालीन डेप्युटी सीएम और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिंसोवैया की गिरफ्तारी हुई तो कांग्रेस उस पर एक तरह की रणनीतिक चुप्पी साधे रखी। लालू यादव परिवार के खिलाफ ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते हुए नजर आए। लेकिन राहुल गांधी की सदस्यता

सियासत. मिशन 2024 के दृष्टिकोण से भाजपा ने शुरू की संगठन की बैठक

एल-14 व वी-60 प्लस की तैयारी शुरू

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मिशन 2024 को लेकर झारखंड भाजपा की सांगठनिक गतिविधियां लगातार तेज हो रही हैं। बृथ सशक्तीकरण अभियान को बल देने और सांगठनिक संरचना को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। शुक्रवार को दुमका स्टेडियम में संताल परगना प्रमंडल की बैठक शुरू हुई। इस बैठक में पार्टी विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश महामंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा शामिल हो रहे हैं। प्रदेश भाजपा ने 2024 के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है और उसी के तहत नेताओं को सक्रिय और संगठन को धारदार बनाने की कवावद शुरू कर दी गयी है।



25 को पलामू, कोल्हान और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की बैठक

इसी प्रकार 25 मार्च को 11 बजे पूर्वाह्न से पलामू प्रमंडल की बैठक दीनदयाल स्मृति सभागार मेदनीनगर में आयोजित है, जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय शामिल

होंगे। 25 मार्च को ही कोल्हान प्रमंडल की बैठक जमशेदपुर में तुलसी भवन में होगी। जिसे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश जी संबोधित करेंगे। जबकि उत्तरी छोटानगपुर प्रमंडल की बैठक हंस

मंडप बोकारो में आयोजित है। जिसमे विधायक दल बाबूलाल मरांडी और प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू शामिल होंगे। सभी नेताओं को हर हाल में बैठक में शामिल होने को कहा गया है।

ये पदाधिकारी व नेता किये गये आमंत्रित

प्रदेश महामंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा ने बताया कि बैठक में विभिन्न जिलों में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी और प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा विपक्ष मोर्चा के पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, जिला प्रभारी, सांसद और विधायक भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा पूर्व सांसद, पूर्व

विधायक और पूर्व जिलाध्यक्ष समेत अन्य नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है।

27 मार्च को रांची रांची के नगड़ी में होगी बैठक

27मार्च को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की बैठक रांची के नगड़ी स्थित स्वर्णरेखा बैंकवेट हॉल रांची में आयोजित है। जिसमे प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,एवम प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय शामिल होंगे।

कोलकाता। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और ओडीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात हुई है। शुक्रवार को कुमारस्वामी कोलकाता पहुंचे और कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास पर करीब आधे घंटे तक उनके साथ बैठक की। मुलाकात की तस्वीरें सप्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से ट्विटर पर डाली गई हैं। जिसमें बताया गया है कि सीएम आवास पर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जब ममता बनर्जी स्पष्ट कर चुकी हैं कि वह गैर कांग्रेस और गैर भाजपा गठबंधन की कवायद में जुटी हैं। तब कुमारस्वामी से उनकी मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।



सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच तीसरे मोर्चे के गठन पर चर्चा हुई। ममता ने कहा है कि क्षेत्रीय पार्टियां अपने-अपने राज्यों में मजबूती से चुनाव लड़ें और राष्ट्रीय दलों को पछाड़ें। कुमारस्वामी ने भी इस पर सहमति जताई है। शुक्रवार शाम विशेष विमान से कोलकाता पहुंचे कुमारस्वामी ने हालांकि मीडिया से कोई बात नहीं की। यहां तक कि

मुलाकात के बाद भी दोनों में से किसी नेता ने मीडिया से बात नहीं की। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व ममता ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से कोलकाता में मुलाकात की थी। एक दिन पहले ही ओडीशा जाकर ममता बनर्जी ने नवीन पटनायक से भी भेंट की थी। तृणमूल सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी जल्द ही देश के दूसरे राज्यों का दौरा करेंगी।

एक नजर

राज्य के 263 प्रखंडों में स्वास्थ्य मेला 25 से

रांची : राज्य भर के प्रखंडों में 25 से 29 मार्च के बीच एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला लगेगा। स्वास्थ्य मेले में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी जायेगी। साथ ही लोगों का इलाज भी किया जायेगा। राज्य में यह पहली बार हो रहा है, जब सभी 263 प्रखंडों में खास बीमारी वाले इलाकों की पहचान कर मेला लगाया जा रहा है। मेला में डिजिटल स्वास्थ्य आइडो का निर्माण, नया आयुष्मान भारत कार्ड जारी करने तथा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मैरिखक रोगों की जांच की जायेगी। इसके अलावा भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के साथ ही योग और ध्यान जैसी स्वास्थ्य गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जायेगा। मेले में अलग-अलग स्टॉल पर अलग-अलग जानकारीां दी जायेंगी।

राज्य के नौ जिलों में 12 अप्रैल से लगेगा मिजल्स रुबेला का टीका

रांची : राज्य के नौ जिलों में 12 अप्रैल से मिजल्स रुबेला का टीका लगेगा। इसमें साहेबगंज, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद और कोडरमा जिले शामिल हैं। नोडल पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि मिजल्स रुबेला कार्यक्रम की शुरूआत 12 अप्रैल से सभी प्रभावित नौ जिलों में अभियान के रूप में होगी। इसके तहत नौ महीने से 15 वर्ष तक के सभी 45 लाख 62 हजार 492 बच्चों का टीकाकरण करने का लक्ष्य है। सभी जिलों को मिजल्स रुबेला अभियान को सफल बनाने के लिए राज्य स्तर से कम्युनिकेशन प्लान (कार्य योजना) भेजी गई हैं।

रांची की टीम ने धनबाद में ग्लाइडर हादसे की जांच की



रांची/धनबाद : हवाई सफर कराने वाले ग्लाइडर के हादसे के शिकार होने के मामले में शुक्रवार को रांची से एक जांच टीम पहुंची और बारीकी से दुर्घटना की जांच की। टीम जिस घर पर ग्लाइडर गिरा वहां पर पड़े मलबे की जांच की और कुछ सैंपल भी साथ ले गई। जांच अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने पर ही कुछ जानकारी दी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार की शाम धनबाद हवाईअड्डा से ग्लाइडर के उड़ान भरते ही कुछ ही देर में इंजन बंद होने के कारण ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें पायलट सहित एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

हाई कोर्ट में पूर्व स्वास्थ्य सचिव समेत तीन की याचिका पर सुनवाई अब 11 अप्रैल को
रांची : झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व स्वास्थ्य सचिव डॉ प्रदीप कुमार, उनके भाई राजेंद्र कुमार सहित तीन आरोपितों की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से समय देने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के आग्रह को मंजूर करते हुए मामले की सुनवाई 11 अप्रैल निर्धारित की है। दवा घोटाला मामले में आरोपित डॉ प्रदीप कुमार, उनके भाई राजेंद्र कुमार एवं व्यवसाई धर्मेन्द्र कुमार धीरज की डिस्चार्ज पिटीशन ईडी कोर्ट ने वर्ष 2019 में खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं बनता है। दवा एवं अन्य सामान की खरीद के लिए उन्होंने केवल स्वीकृति प्रदान की थी। पैसे का कोई लेन-देन का मामला नहीं बनता है। मामले को लेकर सीबीआई ने डॉ प्रदीप कुमार एवं अन्य के खिलाफ प्रार्थमिकी दर्ज की थी। इसके आधार पर ईडी ने भी इनके खिलाफ ईसीआईआर 2-2018 दर्ज किया है।

हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को नोटिस जारी करने का दिया निर्देश

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार सहित तीन के मामले की ट्रायल निचली अदालत में अलग-अलग करने को लेकर सीबीआई की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई। कोर्ट ने मधु कोड़ा एवं प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार को नोटिस जारी करने का निर्देश सीबीआई को दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 25 अप्रैल निर्धारित की है। सीबीआई की निचली अदालत ने मधु कोड़ा से जुड़े आरसी 5-2010 में तीन आरोपितों मधु कोड़ा प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार एवं संजय कुमार चौधरी के केस की ट्रायल अलग-अलग करने के आग्रह को मंजूर किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। सीबीआई ने कहा है इन तीनों आरोपितों के जांच का दायरा अलग-अलग है। इसलिए इनका निचली अदालत में ट्रायल एक साथ की करने की बजाए अलग-अलग ट्रायल शुरू किया जाना चाहिए। सीबीआई के इस आग्रह को निचली अदालत ने नहीं माना था, जिसके बाद याचिकाकर्ता सीबीआई ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

रांची के बिरसा कारागार में सजायाफता कैदी की मौत की न्यायिक जांच के आदेश

रांची : रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद सजायाफता कैदी लालू महतो उर्फ किशुन महतो की मौत की न्यायिक जांच होगी। रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार आदेश की कॉपी रांची एक्सप्रेसी को भी दी गयी है। न्यायिक जांच का जिम्मा रांची सिविल कोर्ट के न्यायिक दंडाधिकारी को दिया गया है। सीजेएम ने जल्द से जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि लालू महतो उर्फ किशुन महतो को वर्ष 2016 में हत्या केस में दोषी करार दिया गया था। लालू महतो करीब 10 वर्षों से रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में हत्या के जुर्म में सजा काट रहा था। दूसरी ओर, बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हुई मौतों से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने रिपोर्ट मांगी है। पहला मामला विचाराधीन कैदी बाबू जन सिंह की मृत्यु से जुड़ा हुआ है। दूसरा मामला विचाराधीन कैदी दीनानाथ सिंह की न्यायिक हिरासत में हुई मौत से जुड़ा है।

सगी बहन की टांगी से काटकर हत्या, आरोपित गिरफ्तार

रांची/लोहरदगा : जिले के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडरिया टाना टोलो में सुनील टाना (20) ने सगी बहन सुमति कुमारी (16) का टांगी से मारकर हत्या कर दी। भंडरा पुलिस ने हत्यारोपित को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में इस्तेमाल किये गए टांगी को बरामद कर लिया है। घटना के संबंध में थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने वारदात की सूचना दी। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा भेजा गया है। पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

राहुल की लोकसभा सदस्यता रद्द करना लोकतंत्र की हत्या : राजेश ठाकुर

रांची : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द किये जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि यह सोधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी सरकारी तंत्र दबाव में हैं। यह तानाशाही के अंत की शुरूआत है। यह फैसला अचम्भित करने वाला और निंदनीय है। ठाकुर ने कहा कि हिन्दुस्तान की संसदीय राजनीति में ऐसी जल्दबाजी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जितना आनन-फ़ानन में राहुल की सदस्यता पर फैसला लिया गया, जेपीसी का गठन क्यों नहीं किया गया। जनता का पैसा प्रधानमंत्री के मित्र लूट रहे हैं। प्रधानमंत्री उनपर कार्रवाई करने के बदले उस आवाज को खत्म करना चाहते हैं जो उनके मित्र के खिलाफ बोल रहा है। हम न्यायालय का सम्मान करते हैं। हम राहुल गांधी के साथ हैं और सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे।



जनजातियों का गौरवशाली इतिहास रहा है : राज्यपाल



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जनजातियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। इनकी सभ्यता और संस्कृति अत्यंत ही समृद्ध है। साथ ही हमारे जनजातियों की कला-संस्कृति, साहित्य, परंपरा एवं रीति-रिवाजों की विश्वव्यापी

पहचान है। ये प्रकृति प्रेमी हैं और यह इनके पर्व-त्यौहारों एवं अनुष्ठानों में झलकता है।

राज्यपाल शुक्रवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित ‘सरहुल पूजा महोत्सव’ में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्यवासियों को सरहुल पर्व



ग्लोबल वार्मिंग से चिंतित हैं, ऐसे में इस प्रकार के त्योहारों की अहमियत और भी बढ़ जाती है। यह पर्व मानव को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्षों के बिना जीवन को कल्पना असंभव है। वृक्ष हैं तो जीवन है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में वनम संस्था ने बड़ी संख्या में पौधरोपण किया है, जिससे वहां के भू-गर्भ जल-स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और बारिश में भी बढ़ोतरी हुई। झारखंड राज्य को इस संस्था के अनुभव का लाभ प्राप्त हो, इसके लिए उन्हें आमंत्रित किया जायेगा। साथ ही

राज्य के लोगों को जल संरक्षण और अधिक से अधिक पौधरोपण करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर महापौर डॉ. आशा लकड़ा, सचिव, विकास भारती पद्मश्री अशोक भगत, कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

झारखंड जगुआर कैप में हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया सरहुल



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के सरना स्थल में सरहुल पूजा पूरे हर्षोल्लास और उमंग के साथ शुक्रवार को मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर आईजी अमोल वेनुकांत होमकर उपस्थित थे। होमकर ने झारखंड जगुआर

परिवार का उत्साहवर्धन किया, साथ ही सरहुल पूजा आयोजन में शैलेन्द्र प्रसाद वर्णवाल, संजय मुकुल किसपोड़ा, कर्नल जेके सिंह ,पुलिस अधीक्षक (प्रशि.) सहित पुलिस उपाधीक्षक (प्रशा.) ज्ञान रंजन, सहायक समादेशा राजीव कुमार,सहायक समादेशा चन्दन कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हटिया-चेन्नई सेंट्रल वन वे स्पेशल ट्रेन के गंतव्य स्टेशन में परिवर्तन

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : रेलवे ने परिचालन के तकनीकी कारणों की वजह से शनिवार को हटिया से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 08042 हटिया-चेन्नई सेंट्रल वन वे स्पेशल ट्रेन के गंतव्य स्टेशन में परिवर्तन किया है। अब यह ट्रेन चेन्नई सेंट्रल स्टेशन के स्थान पर चेन्नई एम्फोर स्टेशन जाएगी। इस ट्रेन की समय सारणी और गंतव्य स्टेशन पढ़ने के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा। रांची रेल मंडल से चलने वाली दो जोड़ी ट्रेनों में स्थानि रूप से एक्स्ट्रा कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या

एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष चुने गए भोलानाथ सिंह

►►**बिगन सोय बनी एडवाइजरी**

समिति की सदस्य

►►**सलीमा टेटे को इमेजिंग**

प्लेयर ऑफ द ईयर एशिया

महादेश अवार्ड से भी सम्मानित

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : दक्षिण कोरिया गणराज्य के मुंग्यांग शहर में एशियन हॉकी महासंघ के चुनाव में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष सह हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह उपाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। साथ ही उन्हें एशिया महाद्वीप का उभरता हुआ खेल प्रशासक एशिया महादेश अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

भोलानाथ को यह अवार्ड (एफआईएच) विश्व हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैय्यब इक़राम एवं (एचएफ़) एशियन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष फुमिओ ओगुरा ने दिया। झारखंड के इतिहास में यह पहला अवसर होगा कि राज्य के किसी खेल संघ के अध्यक्ष या सदस्य को विश्व के किसी महादेश के खेल संघ के उपाध्यक्ष बनाया गया है।

इनके अलावा झारखंड की



बिगन सोय एशियन हॉकी फेडरेशन के एडवाइजरी समिति की सदस्य बनायी गयी हैं। एचएफ़ कांग्रेस में झारखंड के सिमडेगा की बेटी अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे को इमेजिंग प्लेयर ऑफ द ईयर एशिया महादेश का अवार्ड (एशिया महादेश का उभरता हुआ सितारा) से सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कार के तौर पर 1000 डॉलर की राशि प्रदान की गयी।

एचएफ़ एशियन हॉकी महासंघ के कांग्रेस में शामिल हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर जे मनीहरण, हॉकी इंडिया के एक्सक्यूटिव डायरेक्टर आरके श्रीवास्तव और हॉकी इंडिया के अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि यह हमलोगों के लिए बहुत बड़ा सम्मान

है। हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने कहा कि झारखंड के खेल इतिहास में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

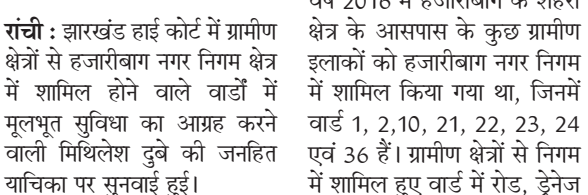
भोलानाथ सिंह : पलामू जिला अंतर्गत पिपरा अखारा के रहने वाले भोलानाथ सिंह सितंबर 2014 में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष पद में निर्वाचित हुए। अपनी कार्य कुशलता से लगातार आगे बढ़ते हुए वे हॉकी इंडिया के सह सचिव एवं उपाध्यक्ष के बाद, अभी कुछ दिनों पहले ही महासचिव बनाये गये। वे अब एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

सलीमा टेटे : सिमडेगा जिला अंतर्गत सदर प्रखंड बड़की छप्पर गांव की बेटी सलीमा टेटे सुदूरवर्तीय गांवों आयोजित होने वाले खस्सी

कप मुर्गा कप हॉकी प्रतियोगिताओं में बांस की हॉकी स्टिक से खेलते हुए विगत 2016 में जूनियर भारतीय महिला टीम से शुरुआत करते हुए अब टोक्यो ओलंपिक, विश्व कप, कोमोनवेल्थ गेम्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच में भारत की प्रतिनिधित्व कर रही है।

बिगन सोय : प. सिंहभूम जिले के बंदागांव की बेटी बिगन सोय ने 2013 जूनियर महिला विश्व कप में भारतीय महिला हॉकी टीम के गोलकीपर से खेलते हुए तीसरे स्थान के लिए खेले गए निर्णायक मैच में पेनल्टी शूटआउट में गैद रोककर भारत को कांस्य पदक दिलाई है और 2018 से ही हॉकी झारखंड से जुड़कर हॉकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

छह माह के भीतर ग्रामीण क्षेत्र से हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में आए वाडों में मूलभूत सुविधा मुहैया कराने के निर्देश



रांची : झारखंड हाई कोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों से हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में शामिल होने वाले वाडों में मूलभूत सुविधा का आग्रह करने वाली मिथिलेश दुबे की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए हजारीबाग नगर निगम और नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि वे छह माह के भीतर ग्रामीण क्षेत्र से हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में आए वाडों में मूलभूत सुविधा यथा ड्रेनेज सिस्टम, साफ-सफाई, सड़कों पर जलजमाव होने, स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था को केंद्र सरकार के अधिनियम को देखते हुए दुरुस्त कारएं करें अन्यथा वह कोर्ट की अवमानना माना जाएगा।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अमृतांशु वत्स ने

कोर्ट को बताया कि हजारीबाग में वर्ष 2016 में हजारीबाग के शहरी क्षेत्र के आसपास के कुछ ग्रामीण इलाकों को हजारीबाग नगर निगम में शामिल किया गया था, जिनमें वार्ड 1, 2, 10, 21, 22, 23, 24 एवं 36 हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से निगम में शामिल हुए वार्ड में रोड, ड्रेनेज सिस्टम, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, वेस्ट डिस्पोजल, पीसीसी सड़क की व्यवस्था नहीं है। नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं के नहीं रहने के बावजूद भी इन वाडों के लोगों से होल्टिंग टैक्स लिया जाता है।

इस पर हजारीबाग नगर निगम ने कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि चेयरमैन टाउन मैनेजर, हजारीबाग की अध्यक्षता में चार सदस्यों की एक कमेटी बनी है, जो हजारीबाग के नागरिकों के समस्याओं का निदान करेगी।

रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस।
28 मार्च : आंशिक बादल छाये रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियसयस व न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस।
29 मार्च : गर्जन वाले बादल भी बन सकते हैं। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस।
30 मार्च : आंशिक बादल छाये रहेंगे। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस।

झारखंड में आज से फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, रेलो अलर्ट जारी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड में शनिवार से फिर मौसम बदलेगा। तीन दिन तक आंशिक बादल के साथ मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। इसे देखते हुए रेलो अलर्ट भी जारी कर दिया गया है।

राज्य के दक्षिणी पश्चिमी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में 25, 26, 27 मार्च को कहीं-कहीं गर्जन और वज्रपात के साथ 30 से 40 किमी तेज हवा चलने की संभावना है। 28 मार्च को राज्य के पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं बारिश के साथ गर्जन और वज्रपात की संभावना है।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार पिछले 24



घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 34.2 डिग्री

सेल्सियस जमशेदपुर में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.7 सेल्सियस

27 मार्च : आंशिक बादल छाये



आदिवासी छात्रावास में
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धूमधाम
से मनाया सरहुल पर्व, कहा

आदिवासी छात्रावास का बदलेगा आयाम,
अलग-अलग मल्टी स्टोरी हॉस्टल बनेंगे



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को सरहुल त्योहार पर आदिवासी ब्याज हॉस्टल पहुंचे। वे मांदर की थाप पर झुमे और लोगों को भी झुमाया। साथ ही उन्होंने सभी को सरहुल की बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने यहां कहा कि हर तरफ हर्ष, उत्साह और जश्न का माहौल। सदियों से चली आ रही यह परंपरा बताती है कि प्रकृति पर्व सरहुल का आदिवासी समाज में कितनी अहमियत है। सरहुल सिर्फ एक त्योहार नहीं है। यह प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है।



सरना और मसना स्थलों को
किया जा रहा संरक्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरना और मसना स्थल आदिवासियों की आस्था से जुड़ा है। इसे संरक्षित रखने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि सामाजिक धरोहरों को अक्षुण्ण रखने में समाज को भी जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार के प्रयास और आपके योगदान से हम अपने सामाजिक - धार्मिक धरोहर को अलग पहचान दे सकते हैं।



श्री महावीर मंडल, डोरंडा ने लगाया स्वागत शिविर



रांची : श्री महावीर मंडल डोरंडा, केन्द्रीय समिति के द्वारा शुक्रवार को तुलसी चौक पर प्राकृतिक पर्व सरहुल के अवसर पर स्वागत शिविर लगाया गया। इस शिविर में आए सभी पाहनेो को परंपरागत गमछा देकर सम्मानित किया गया। वहीं साथ ही शोभा यात्रा में शामिल सभी भाई बहनों को अबीर गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। समिति ने स्वागत शिविर में शामिल लोगों के लिए चना एवं शरबत की व्यवस्था की थी। इस शिविर में मंडल के अध्यक्ष संजय पोद्दार मंत्री पप्पू वर्मा, बजरंग गुप्ता, बी के विजय, मनोज वर्मा , योगेश्वर दुबे , अंकित सिंह , मनोज नायक , सनी कुमार बिट्टु , चंद्रा अलख , निरंजन, दीपक राम, समी गुप्ता, निकी वर्मा , विजय वर्मा, अमर भारती, रोहित ठाकुर, शुभम वर्मा, जीतू गुप्ता, संजय राम,अलख निरंजन, राजकुमार, दीपू ठाकुर , डिम्पल नाग ,मौनी देवी, शोभा देवी, सुभम वर्मा, चंदन गुप्ता ,आयुष गुप्ता सहित सैकड़ों कि संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंगरा मुंडा हत्याकांड का खुलासा,तीन गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : खुंटी पुलिस ने मंगरा मुंडा हत्याकांड में शामिल तीन अभियुक्त समराय मुण्डा उर्फ मंगरा, किन्नु पाहन और चुड़ी मुण्डा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्त में आये तीन आरोपी अड़की थाना क्षेत्र के कटुई टोला जोजोडीहना के रहनेवाले है। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयोग किया गया एक टॉंगी और हत्या के बाद मृतक को छिपाने के नीयत से एक जगह से दुसरे जगह ले जाने में प्रयोग किया गया एक साईकिल बरामद की है।

इस संबंध में अमित कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खुंटी) ने बताया कि 13 मार्च 2023 को अड़की थाना अन्तर्गत ग्राम रूकाब, पाहन टोली के जंगल



में एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद की गई थी। मृतक की हत्या धारदार हथियार से गला काट कर किया गया था। इस संदर्भ में अडकी थाना में अज्ञात अपराधकर्मी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया था। मृतक की पहचान मंगरा मुण्डा (उम्र करीब 42 वर्ष पिता स्व० मांगो मुण्डा सा० होचर थाना अड़की जिला खुंटी)

के रूप हुई थी। पुलिस अनुसंधान के दौरान जानकारी मिली कि अभियुक्त ऐ/ सी सनिका उर्फ सनिका हस्सा पुर्ति होचर मदहातु थाना अड़की जिला खुंटी के द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिल कर घटना किया गया है, जो अड़की थाना काण्ड आत्मसमर्पण कर उपकारा खुंटी में काराधीन है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खुंटी

के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया और अनुसंधान के द्वारा अभियुक्त ऐ / सी सनिका उर्फ सनिका हस्सा पुर्ति उम्र करीब 27 वर्ष पे० ऐ / सी चम्बरा उर्फ चम्बरा हस्सा पुर्ति सा० टोला होचर मदहातु थाना अड़की जिला खुंटी को पुलिस रिमांड पर लेकर अभियुक्त के निशानदेही पर काण्ड के अन्य तीन अभियुक्त समराय मुण्डा उर्फ मंगरा , किन्नु पाहन , चुड़ी मुण्डा उर्फ बुधू को विधिवत गिरफ्तार करते हुये हत्या करने में प्रयुक्त टॉंगी एवं शव को लेकर फेकने में प्रयुक्त साईकिल को बरामद किया गया है।पुलिस टीम में अमित कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खुंटी),पुअनि इकबाल हुसैन , पुअनि बिरजु प्रसाद,पुअनि उत्तम कुमार, सअनि वसीम अहमद सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

एक नजर

पारंपरिक रीति- रिवाज के साथ मनाया गया सरहुल पूजा



रांची : केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति सह हेसल सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हेसल सत्यारी सरना स्थल में पहान सोमरा मुंडा, योगेन्द्र मुंडा के द्वारा पूरे पारंपरिक रीति- रिवाज के साथ सरहुल पूजा मंत्रया गया । पहान ने गांव के सुख शांति रोग दुख दूर हो खेत खरियान हरा भरा रहे सरना मां से प्रार्थना करते हुये इस वर्ष अच्छे खेती होने की भविष्यवाणी की गई। केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल पर हम उस अलौकिक शक्ति की आराधना करते हैं, जो पूरे ब्रह्मांड प्रकृति और जीवन का संचालन और नियंत्रण करती है, इस शक्ति का अहसास हमारे पूरखो ने किया । वहीं सरहुल पूजा जुलूस को सफल बनाने में सती तिकी, बबलू उरांव, अनिता उरांव, मौणा किस्मोट्टा, शोभा तिकी, गुड्डि तिकी, सूरज तिकी, झलकी तिकी, निलम उरांव, अनुप खलका का काफी योगदान रहा।

रमेश सिंह ने किया पूजा पंडाल का निरीक्षण



रांची : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, धुतहा तलाब के मुख्य संरक्षक रमेश सिंह ने शुक्रवार को पूजा पंडाल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति के सदस्यों से चैती दुर्गा पूजा के धूम - धाम से आयोजन और अंतिम मंगलवारी को निकाली जाने वाली विशाल शोभायात्रा के सन्दर्भ में विचार -विमर्श किया। मौके पर संस्था के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, कोषाध्यक्ष संजय सिंह, राजू चौरसिया, राहुल सिंह,नमन भारतीय, मुकेश सिंह, रवि सिंह, मोहित रजक, आशीष रजक, समीर नायक, आकाश रजक, रोहन सिंह,अर्जुन सिंह, यश वर्मा,प्रियांशु वर्मा, अन्य सदस्य शामिल थे।

नन्हें रोजेदार भी इबादत कर मांग रहे दुआ

रांची : खुदा से प्रेम और इबादत के लिए कोई उम्र नहीं होती। रमजान माह में रोजेदार रोजा रखकर खुदा की इबादत कर रहे हैं। इसमें बच्चे भी पीछे नहीं हैं। रांची क्षेत्र में बड़ी संख्या में बच्चे भी इस बरकत के महीने में इबादत कर रहे हैं। खासकर ऐसे बच्चे अधिक उत्साहित हैं ,जो अपने जीवन में पहली बार रोजा रख रहे हैं। दिन भर रोजे में रहने के बाद वे इफ्तार कर रहे हैं। क्लास नर्सरी के साढ़े तीन वर्ष के हरीश ताहा अपने पत्रकार पिता शादाब खान, माता फरहत परवीन और क्लास केजी के पांच वर्ष के हम्माद ताहा पिता अंबर खान, माता नुरेशा परवीन ने शुक्रवार को रमजान का पहला रोजा रखा। दोनों बच्चों के रोजे में रहने से माता पिता का फिक्र था कि कहीं कुछ परेशानी ना हो जाए। लेकिन पहला रोजा दोनो ने पार कर लिया। वे स्कूल जाते हैं, पर स्कूल में अन्य बच्चों को लंच करते देखकर भी उन्हें भूख महसूस नहीं होती। बच्चो का कहना है कि पहली बार रोजा रखकर उसे काफी खुशी महसूस हो रही है। शादाब खान ने कहा कि बच्चे अपनी मां फरहत परवीन से रमजान के पूरा रोजा रखने की बात कह रहे हैं। उनके मां की चिंता बढ़ गई है है अगर बच्चे ज़िद कर दे तो क्या होगा। उलेमा से सुना है कि बच्चे अपने घर से ही सीखते हैं। बच्चों के घर वाले भी बच्चों के उत्साह को देखकर काफी खुश हैं।

स्वागत शिविर में अखाड़ा के पहानो को किया गया सम्मानित



रांची : प्राकृतिक पर्व सरहुल के अवसर पर शुक्रवार को श्री महावीर मंडल रांची महानगर के द्वारा मेन रोड स्थित अर्बर्ट एक्का चौक के समीप सेवा शिविर लगाया गया । इस शिविर में सरहुल शोभायात्रा में शामिल सभी सरना भाई- बहनों के बीच पानी और चना का वितरण किया गया। वहीं मंडल के अध्यक्ष कुणाल अजमानी के नेतृत्व में सभी अखाड़ा के पहानो को पुष्प माला, अंग वस्त्र व मोमेटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में मुख्य रूप से मंडल के संयोजक डॉ दिलीप सोनी, उपाध्यक्ष शम्भु प्रसाद , राजेश्वर राजन,अनिल केसरी,ललित चौधरी ,विक्रान्त दिश्वकर्मा, नवजोत अलंग , बादल सिंह , रोहित शारदा , अमित गुप्ता,प्रदीप जैन, अशोक ठाकुर, बिपिन बर्मन, अंकित सरकार , राहुल सोनी,अशुल कुमार, कुमार सौरभ , उमेश प्रसाद , अमन कुमार आदि लोग मुख्यरूप से शामिल थे।

ओवरब्रिज राजेन्द्र चौक से रेडिसन चौक तक 33 घंटे रहेगा रोड ब्लॉकेज

►►आज रात 9:00 बजे से सोमवार सुबह

06:00 बजे तक रहेगा रोड ब्लॉकेज

►►वैकल्पिक मार्ग से हो सकेगा

आवागमन

►►सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से ओवर ब्रिज में किया जा रहा है काम

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मेकॉन से सिरिमटोली फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान मेन रोड ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में कार्यरत कंपनी द्वारा लोड टेस्ट किया जाना है। इसे लेकर ओवर ब्रिज पर आवागमन नहीं हो सकेगा। शहर वासियों से अनुरोध है कि आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें।

जानिए! कब से कब तक

रहेगा रोड ब्लॉकेज

राजेन्द्र चौक से ओवर ब्रिज के समीप रेडिसन चौक तक 33 घंटे का रोड ब्लॉकिंग



रहेगा। शनिवार दिनांक 25 मार्च 2023 की रात 09:00 बजे से सोमवार दिनांक 27 मार्च 2023 की सुबह 06:00 तक आवागमन बंद रहेगा। रोड ब्लॉकिंग के दौरान रांचीवासी वैकल्पिक मार्ग से आवागमन कर सकेंगे।

इन वैकल्पिक मार्ग से

होगा आवागमन

एक : मेन रोड सुजाता चौक की तरफ से राजेन्द्र चौक की ओर जाने वाले सभी वाहन

रेडिसन ब्लू होटल के रास्ते कडरू ब्रिज के रास्ते कडरू ब्रिज के ऊपर से देवेन्द्र मांझी चौक, राजेन्द्र चौक होकर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।
दो : सुजाता चौक से मेन रोड ओवरब्रिज के नीचे जाने वाले वाहन ओवर ब्रिज के नीचे जा सकते हैं।

तीन : राजेन्द्र चौक की तरफ से सुजाता चौक मेन रोड जाने वाले वाहन मेकॉन चौक, देवेन्द्र मांझी चौक, कडरू ओवरब्रिज के ऊपर के रास्ते रेडिसन ब्लू होकर अपने गंतव्य तक जा सकते हैं।

दस दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् देवी भागवतम ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन बही भक्ति की बयार

अरणी मंथन से प्रज्जवलित हुई अग्नि से हवन की शुरुआत

►►मां भगवती के तीसरे स्वरूप

मा चंद्रघंटा की हुई पूजा,
यज्ञ मंडप का श्रद्धालुओं ने
लगाया परिक्रमा

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् देवी भागवतम ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन शुक्रवार को मां भगवती के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा हुई। चैत्र नवरात्र के मौके पर आयोजित इस भव्य आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार की गुंज रही। वाराणसी से आए यज्ञाचार्य नागेन्द्र नाथ ओझा व सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र के मंत्रों पर श्रद्धालु मुग्ध रहे। इन्हीं मंत्रों के साथ यज्ञाचार्य ने



अरणी मंथन (लकड़ी घिसकर अग्नि प्रज्जवलित) कर अग्नि प्रज्जवलित की। इसके साथ ही शुक्रवार से हवन की शुरुआत हो गई, जो पूरे यज्ञ अवधि तक चलेगी। अग्नि प्रज्जवलित के साथ ही मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने मां

भगवती का खूब जयकारा लगाया। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सुबह पूजा की शुरुआत के साथ ही यज्ञ मंडप पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भारी संख्या में महिला-पुरुष, बच्चे-बूढ़े यज्ञ मंडप की परिक्रमा किए और मां से

आशीर्ष मांगा।

यज्ञ से पवित्र होता है

वातावरण : यज्ञाचार्य

मौके पर महायज्ञ के प्रमुख यज्ञाचार्य नागेन्द्र नाथ ओझा ने अरणी मंथन के महत्व पर

प्रकाश डाला और इससे होने वाले कल्याण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यज्ञ से वातावरण पवित्र होता है। विश्व में इतने विष्फोट हो रहे हैं, वातावरण दूषित हो रहा है। ऐसे आकाश तत्व की पवित्रता नहीं आएगी, तब तक समाज का कल्याण नहीं होगा। यही अरणी मंथन से अग्नि का व जलन से सत्यता का प्रतीक है। धर्मो रक्षति रक्षितः। धर्म की हमें रक्षा करनी है, धर्म ही हमारी रक्षा करता है। वहीं महायज्ञ के सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र ने बताया कि मंत्र के तरंग के बीच लकड़ी के घर्षण से अग्नि उत्पन्न कर अग्नि कुंड को जागृत किया जाता है।

उसमें माचिस का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसके दर्शन मात्र से नेत्र के कई विकार (रोग) समाप्त हो जाते हैं। श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् देवी भागवतम ज्ञान यज्ञ में शुक्रवार को वृंदावन से आए संत मनु श्री महाराज ने प्रवचन के दौरान परीक्षित-शुकदेव संवाद का रोचक तरीके से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कलयुग में ईश्वर प्राप्ति का, समस्त वेद, पुराण, शास्त्र का एक ही निचोड़ है, प्रेम से भगवान का नाम लो, यही भागवत होने की निशानी है। सिर्फ भगवान का नाम लें, वहीं साथ जाएंगा। बाकी सब यही छूट जाएगा।

संपादकीय

2024 का आधार तैयार

24 चर्रे के अंदर ऐश की सियासत बदल गयी। राहुल गांधी पूर्व सांसद बन गये और भाजपा ओबीसी का मुद्दा लेकर सामने आ गयी। इसके साथ ही यह तय हो गया कि 2024 में राहुल गांधी मन्त्री से चुनाव में रहेंगे। राहुल गांधी चुनाव लड़ पायें अथवा नहीं, लेकिन चुनाव में राहुल काँग्रेस और भाजपा दोनों के मुख्य फैक्टर होंगे। मोदी सरनेम मानवालय केस में सूत कोटने के फैसले के 24 चर्रे के अंदर ही लोकसभा सचिवालय ने कोर्ट के फैसले पर सज्जन लेते हुए उनकी केस के वायनाड से लोकसभा की सदस्यता रद्द रख कर दी। कोर्ट के फैसले के बाद देशभर में सड़कों पर उतरी काँग्रेस को इसकी आशंका तो थी, लेकिन यह अनुमान नहीं था कि अगले ही दिन ऐसा हो जायेगा। दोपहर बाद जैसे ही लोकसभा सचिवालय के फैसले की सूचना बाहर आयी, काँग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सन्न रह गये। गुजरात में पार्टी के विधायक सदन में मौजूद थे, तो वहीं संगठन के कार्यकर्ता और नेता सूत कोर्ट के फैसले के विरोध धरनों पर थे। काँग्रेस पार्टी ने नेताओं मानदानी के मामले कोर्ट की कार्रवाई को कानूनी और राजनैतिक बताया और कहा कि राहुल गांधी को सच बोलने की सजा दी जा रही है, तो वहीं मानदानी के मामले में राहुल गांधी को मुश्किल में डालने वाले भाजपा विधायक पूणेश मोदी ने इस पूरे मामले को कानूनी और राजनैतिक न कहते हुए सामाजिक मुद्दा कर दिया। इसका मतलब है कि भाजपा इस मामले को सामाजिक मुद्दा बना कर चुनाव में इसे धुनाने वाली है। वहीं इस मामले पर देश की सभी विपक्षी पार्टियाँ एक हो गयी हैं। राहुल की सदस्यता रद्द करने में दिखायी गयी जल्दबाजी पर सबने आश्चर्य व्यक्त किया और इस पूरी प्रक्रिया का विरोध किया। यहां पूरा विपक्ष काँग्रेस के साथ है। यह पूरी तरह से पहले लीगल बैटल है, जिससे राजनीतिक तौर पर लाजपा जता है। इस मामले में याचिकाकर्ता कोई न्यूट्रल पर्सन नहीं हैं। वे भाजपा के नेता हैं और दशकों से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। इसी कारण उन्होंने इस पूरे मामले को सामाजिक मुद्दा कहा है। उसमें ओबीसी की पॉलिटेक्स को केन्द्र में लाने की कोशिश दिखाई पड़ती है। गुजरात ओबीसी की भगीदारी 50 फीसदी से अधिक है। ऐसी ही स्थिति देश के कई बड़े राज्यों में है। भाजपा राहुल गांधी के मोदी सरनेम विवाद को सामाजिक मुद्दा बनाकर राजनीतिक तौर पर फायदा उठाने की कोशिश करेगी। लेकिन दूसरी तरफ अगर राहुल गांधी पर कार्रवाई के मुद्दे को लेकर काँग्रेस लोगों के बीच हमदर्दी हासिल करने में सफल होती है, तो भाजपा को नुकसान होगा। उसे लेने के देने पड़ सकते हैं। राहुल मुद्दे पर जिस तरह से विपक्षी दल एकजुट हो रहे हैं, वही खतरा जनाते लामबंद होने का भी है। यही कारण है कि भाजपा इस मामले को सामाजिक मुद्दा बनाना चाहती है। अब यह मामला पूरी तरह से जनात के न्यायालय में आ चुका है। अब देखना है कि भाजपा और काँग्रेस इसे किस तरह से जनात के बीच पेश करते हैं।

सामयिकी

परीक्षा और परिणाम

ललित वर्मा

बच्चों के एजाजम हो चुके, रिजल्ट आने वाले हैं। अपने यहां एजाजम और परिणाम वाले दिन पैरेंट्स के लिए साल के सबसे स्ट्रेसफुल दिन होता है। प्राइमरी के बच्चे तो शायद परिणाम को लेकर इतनी टेंशन नहीं लेते, लेकिन उनके पैरेंट्स अक्सर एग्जास्टी में चले जाते हैं। बच्चे के प्फ़चुर को लेकर आने वाले चिंता भर खयाल पल भर में इतने भयानक हो जाते हैं कि मैं या बाप या फिर दोनों को लगने लगता है कि उनका बच्चा पता नहीं क्या-क्या कष्ट झेलकर जिंदगी गुंथी जाएगा। आशंकाएं जीवन का हिस्सा हैं। दिमाग की प्रवृत्ति ही है लगातार खयाल बुनना। अच्छे, बुरे, सुहां, भयानक, कैसे भी। उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है उसे, जिसका वह दिमाग है। जानी लोग कहते हैं कि यह कैसे खयाल बुनोगा, यह आप पर निर्भर करता है। इसलिए अच्छे खयाल बुनने की प्रैक्टिस करनी चाहिए। सामान्य लोग कहते हैं कि यह किसी के बस की बात नहीं। कौन सा खयाल कब आ जाए, कुछ पता नहीं। इसलिए इस पर बहस करने के बजाय इस पर बात करते हैं कि बच्चों के भविष्य से जुड़ी आशंकाओं का क्या क्या जाए। कुछ महान लोगों के नाम चुन लेते हैं। जब वे बच्चे थे तब कोई कह नहीं सकता था कि वे जो बने, वह बन सकते थे। दुनिया के सबसे जीनियस लोगों में से एक अल्बर्ट आइंस्टीन कर साल के होकर भी बोला नहीं सीखे थे। स्कूल में इतने सुस्त थे कि टीचर ओड़िए, मां-बाप तक उन्हें निकमा मानने लगते थे। स्कूल से निकाल दिए गए थे। वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने दुनिया को बल्ब की रोशनी दी, लेकिन उनका स्कूली जीवन घुप अंधेरे से भरा था। टीचर ने कह दिया कि वह इतना कमजोर है कि स्कूल से निकाला जा रहा है। एडिसन की मां ने ही उन्हें पढ़ाई करवाई। भारत से पहला नोबल पुरस्कार जीनोस वाले महात्मा कहें रवींद्रनाथ टैगोर स्कूल में फेल हो गये थे। टीचर कहते थे कि उन्हें पढ़ना-लिखना समझ नहीं आता। इन नामों की लिस्ट इतनी लंबी है कि अगर सोच भी नहीं सकते। सोचना भी किस लिए है। हर बच्चा दूसरे से अलग होता है। कामयाबी और पढ़ाई दो अलग-अलग चीजें हैं। ऐसे बेहिसाब लोगों को जानता हूं जो स्कूल में कितानी कीड़े थे, क्लास में फर्स्ट आते थे, लेकिन सामान्य जीवन ही जी रहे हैं। और जो एकदम फिसड्डि थे, रोज मास्टर जी से मार खाते थे, वे बेहतर जीवन जी रहे हैं। बच्चा तो बच्चा होता है। उसे खेलना पसंद है और पढ़ाना होनी मन नहीं लगता, तो यह सामान्य बात है। इसका उरदा है तो टेंशन होनी चाहिए। समझ उम्र और परिस्थितियों के हिसाब से बढ़ती है। वक्त से बेहतर तौर टीचर कोई नहीं होता। इसलिए जो सीखने और सिखाने की प्रक्रिया पर होना चाहिए। जिसने ये कुछ लिया कि सीखते सीखते हैं, वह और चलेकर कुछ भी सीख लेगा। कौन भी हासिल कर लेगा।



डॉ अनिल कुमार निगम

दिल्ली में
सिख फॉर
जस्टिस
रेफरेंडम 2020
और खालिस्तान
के समर्थन में
नारे लगाने के
मामले में दिल्ली
पुलिस की
स्पेशल सेल ने
देश विरोधी
गतिविधियों में
शामिल कुछ
संदिग्धों की
पहचान की है।
सुरक्षा एजेंसियों
को इस बात की
आशंका है कि
दिल्ली से जिन
संदिग्धों की
पहचान हुई
है वे सभी
स्लीपर सेल हो
सकते हैं।

पाता समंदर पर खालिस्तान समर्थित समूहों की बढ़ती गतिविधियाँ भारत की एकता, अखंडता और शांति व्यवस्था के लिए संकट बनती जा रही हैं। अमेरिका, ब्रिटेन के बाद कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान समर्थित इन खालिस्तान समूहों ने भारत के खिलाफ षड़यंत्र तेज कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरीके से खालिस्तान समर्थकों ने भारतीयों पर हमला और राष्ट्रीय ध्वज अपमान किया, वह हर भारतीय की आन, आबाव और शान पर न केवल हमला है बल्कि यह भारत की अस्मिता पर आघात है। हालाँकि दिल्ली में सिख फॉर जस्टिस रेफरेंडम-2020 और खालिस्तान के देश विरोधी स्लोगन लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दश विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ संदिग्धों की पकड़ की है। लेकिन सुरक्षा की मुह की तरह बढ़ रही इस समस्या के प्रति केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक गंभीर आक्रामक होने की आवश्यकता है। विवादित है कि ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। खालिस्तान समर्थक समूहों द्वारा ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में राष्ट्रीय ध्वज लेकर जा रहे भारतीयों पर हमला करने का एक वीडियो सामने आ चुका है। खालिस्तानी समर्थक अपना खुद का झंडा हाथ में लिए हैं। वे राष्ट्रीय ध्वज लिए लोगों पर हमला करतिरंगा का अपमान भी करते हैं। ध्यातव्य है कि पहले भी ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों का उत्पात देखने को मिल चुका है। ऑस्ट्रेलिया में एक पखवाड़े के अंदर तीन बार हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। खालिस्तानियों ने इन मंदिरों को निशाना बनाकर तोड़-फोड़ की और उनकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे। ऐसी घटनाएँ भारत के लिए तो चिंताजनक हैं ही, ऑस्ट्रेलिया की सरकार के लिए भी एक चुनौती है जिसने कुछ दिन पहले खालिस्तानी तत्वों को काबू करने को लेकर एक अहम समुच्च बैक की थी। ऑस्ट्रेलिया में काफी समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों को समर्थन मिल रहा है। सोशल मीडिया पर उनकी असामाजिक गतिविधियाँ जोरों पर चल रही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि विवादित पोस्टर सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से प्रसारित हो रहे हैं। इस तरह के



नेताओं को मारने की साजिश रची है। वास्तविकता तो यह है कि लाभगम एक साल से ख़ालिस्तान आंदोलन फिर से चर्चा में आ गया है। पंजाब ने आतंकवाद का अत्यंत डरावना और काला दौर देखा है। वर्ष 1980 और 90 के दशक में पंजाब का प्रशासन और आम जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया था। सुबह घर से निकला व्यक्ति शाम को घर वापस आएगा भी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। पंजाब केसरी अखबार के संपादक लाला जगत नारायण और उनके पुत्र रमेश समेत हजारों लोगों की हत्या कर दी गई थी। सरकार बहुत ही भयावहता के बाद पंजाब को आतंकवाद से मुक्त कर सकी थी।

दिल्ली में सिख फ़ॉर जस्टिस रेफ़रेन्स 2020 और ख़ालिस्तान के समर्थन में नारे लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ संदिग्धों की पहचान की है। सुरक्षा एजेंसियों को इस बात की आशंका है कि दिल्ली से जिन संदिग्धों की पहचान हुई है वे व सभी स्लीपर सेल हो सकते हैं। इसी वर्ष जनवरी में दिल्ली के जनकपुरी, तिलक नगर, पश्चिम विहार समेत 12 स्थानों पर ख़ालिस्तान के समर्थन में दिवारों पर लगाए पोस्टर विदेशी साजिश का हिस्सा हैं। पोस्टर लगाने के ही मामले में दिल्ली पुलिस ने हाल में भी एफआईआर दर्ज की थी और कुछ लोगों को हिरासत में लिया।

पुलिस जांच में यह पता चला है कि विदेश में बैठे गुरूपत सिंह पन्नु के इशारे पर दिल्ली में खालिस्तान की एंटी हुई थी। मुख्या एजेंसियों के मुताबिक दोनों को देश की राजधानी दिल्ली में देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई थी। वर्ष 2020-21 किसान आंदोलन के दौरान खालिस्तान समर्थक समूहों द्वारा विदेशी फंडिंग की बात पहले ही साबित हो चुकी है। पिछले एक वर्ष में खालिस्तान को समर्थन देने के मामले में विदेश की धरती पर जिस तरीके से साजिश रची जा रही है, वह अत्यंत गंभीर मामला है। हालांकि भारत सरकार इनको लेकर आस्ट्रेलिया और कनाडा वार्ता कर रही है पर सरकार को इस मुद्दे को लेकर अधिक आक्रामक होने की आवश्यकता है। जी-20 के माध्यम और अमेरिका सहित यूरोपीय देशों के समक्ष पाकिस्तान को और अधिक एक्जोज करने की आवश्यकता है। भारत कनाडा और आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के साथ ऐसे समझौता करे कि वे अपनी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किसी भी कीमत पर न होने दें। इसके अलावा भारत सरकार पंजाब सहित देश के युवाओं को अधिक से अधिक जागरूक करे कि वे देश की मुख्यधारा के साथ चलें और दिश्रम्भित होने से बचें। इसी में उनका और देश हित निहित है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूर्यकुमार को टीम में लेना बीसीसीआई की भूल?



विनोद पाठक

सूर्य
कुमार यादव
को विशुद्ध
रूप से टी-20
का खिलाड़ी
कहा जाए तो
गलत नहीं
होगा, क्योंकि
वे कम गेंदों में
अधिक रन
बनाने की
क्षमता रखते हैं
और उनका
टी-20 का
रिकॉर्ड काफी
सराहनीय है।

क्रिकेट में कब कोई खिलाड़ी हीरो और कब जीरो बन जाये, यह कहा नहीं जा सकता। हीरो से जीरो बने नए-नवले खिलाड़ी हीरो सूर्यकुमार यादव। चेन्नई में भारत-ऑस्ट्रेलिया के तीसरे वनडे में भी सूर्यकुमार यादव पहली ही गेंद पर आउट होकर पैवेलियन लौट आए। विशाखापट्टनम और मुंबई में भी उन्होंने पहली गेंद पर अपना विकेट गंवा दिया था। अन्तर्हीन उनके नाम गोल्डन डक का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वह पहले ऐसे भारतीय खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने गोल्डन डक की हैट्रिक लगा दी है और यह दुर्भाग्यपूर्ण रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सोशल मीडिया पर सूर्य कुमार यादव का न केवल मजाक उड़ाया जा रहा है, बल्कि उनकी जमकर आलोचना भी हो रही है। हालाँकि, कुछ यूजर्स उनके वापस फॉर्म में लौटने की बात करके उनका हाँसला भी बढ़ा रहे हैं।

टी-20 मैचों में रहा है बेहतर रिकॉर्ड

कड़े संघर्षों के बाद टीम इंडिया में शामिल हुए सूर्य कुमार यादव का कैरियर अब तकका थाड़ा उतार-छाढ़ा वाला रहा है, लेकिन खास बात यह है कि जब-जब उनकी अलोचना हुई है, वह निखरकर बाहर आए हैं। अपने अनाड़े बैटिंग स्टाइल के उनकी तुलना दक्षिण अफ्रीका के धुआंधारा बल्लेबाज रहे ए.बी. डिविलियर्स से होती



है। डिविलियर्स को 360 डिग्री मैम भी कहा जाता है और वह ग्राउंड में कहीं पर भी छक्का लगा सकते थे। कुछ ऐसा ही प्रदर्शन सूर्य कुमार यादव ने दिखाया है, लेकिन क्रिकेट प्रेमी अपने पसंदीदा खिलाड़ी को सदैव स्कोर करने देखा चाहते हैं। उन्हें यह बात कतई बदोश नही होगी कि स्टाफ खिलाड़ी यूं मैच दर मैच विकेट गंवाकर चला जाए।

सूर्य कुमार यादव को विशुद्ध रूप से टी-20 का खिलाड़ी कहा जाए तो गलत नहीं होगा, क्योंकि वे कम गेंदों में अधिक रन बनाने की क्षमता रखते हैं और उनका टी-20 का रिकॉर्ड काफी सराहनीय है। पिछले दिनों टी-20 में उन्होंने तीन शतक लगाकर क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया था, लेकिन वनडे में उनका

विद्यार्थी का प्रताप और कानपुर



योगेश कुमार गोयल

उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते विद्यार्थी उपनाम अपना लिया। इस तरह वो गणेश शंकर से गणेश शंकर विद्यार्थी हो गए। उनकी उत्कृष्ट लेखन शैली से प्रभावित होकर हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोधा पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1911 में अपनी साहित्यिक पत्रिका सरस्वती में उप सम्पादक के पद पर कार्य करने का प्रस्ताव दिया।

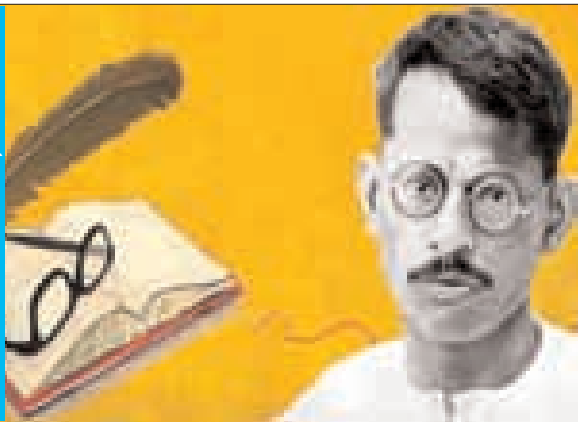
महान पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी के लेखों में गजब की ताकत थी। उनकी कलम ने ब्रिटिश हुकूमत की नींद हराम कर दी थी। जब उनकी कलम चलती थी तो अंग्रेजों की जड़ें हिल जाती थीं। उनकी लेखनी से ब्रिटिश सरकार इस कदर भयभीत रहती थी कि क्रांतिकारी लेखन के लिए उन्हें पांच बार सश्रम कारावास और अर्थव्यय की सजा दी गई। वह स्वयं तो एक उच्च कोटि के पत्रकार थे ही, उन्होंने अनेक युवाओं को लेखक, पत्रकार तथा कवि बनने की प्रेरणा दी। क्रिश्चन के विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने तथा ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारों के विरुद्ध प्रताप में निर्भीक लेख लिखने के कारण वे पांच बार जेल गए। जब भी उन्हें अंग्रेज सरकार गिरफ्तार करती तो उनकी अनुपस्थिति में प्रताप का संपादन माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा नवीन सरीखे साहित्य के दिग्गज संपादक करते थे।

उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद के अरससुइया मोहल्ले में 26 अक्टूबर, 1890 को शिक्षक जयनारायण के घर जन्मे विद्यार्थी जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू तथा अंग्रेजी में हुई। इलाहाबाद में शिक्षण के दौरान ही उनका झुकाव पत्रकारिता की ओर हुआ। हिन्दी साप्ताहिक कर्मयोगी के सम्पादन में वे पंडित सुन्दर लाल की सहायता करने लगे। कानपुर में अध्यापन के दौरान उन्होंने कर्मयोगी सहित कई और अखबारों में लेख लिखे और पत्रकारिता के जरिये स्वाधीनता

आन्दोलन से गहरे जुड़ गए। कुछ समय बाद उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते विद्यार्थी उपनाम अपना लिया। इस तरह वो गणेश शंकर से गणेश शंकर विद्यार्थी हो गए। उनकी उकृष्ट लेखन शैली से प्रभावित होकर हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोश पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1911 में अपनी साहित्यिक पत्रिका सरस्वती में उप सम्पादक के पद पर कार्य करने का प्रस्ताव दिया। विद्यार्थी जी को ज्वलंत समाचारों, समासमाहित तथा राजनीतिक विषयों में ज्यादा दिलचस्पी थी, इसलिए उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकारने के बजाय महामना पं. मदन मोहन मालवीय के हिन्दी साप्ताहिक अभ्युदय में नौकरी करनी शुरू कर दी।

नौ नवम्बर, 1913 को उन्होंने एक क्रांतिकारी पत्रकार के रूप में काणपुर से स्वयं प्रताप नामक पत्रिका निकालनी शुरू की। प्रताप के जरिये विद्यार्थी जी किसानों, मजदूरों और ब्रिटिश अत्याचारों से कराहते गरीबों का दुख-दर्द उजागर करने लगे। ब्रिटिश शासनकाल की उत्पीड़न और अत्याच की क्रूर व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना उनकी पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण अंग था, जो ब्रिटिश हुकूमत को अपनी इसी आंख न सुनाना और इसीलिये फूटी इसी क्रांतिकारी पत्रकारिता का खामियाजा उन्हें कई मुकदमों, भारी जुमानों और कई बार जेल जाने के रूप में

गणेश
शंकर
विद्याथ
बलिदा
दिवस
/25
मार्च
पर
विशेष



सुमनता पड़ा। 1920 में उन्होंने प्रताप का 'मूलक' संस्करण शुरू कर दिया। प्रताप प्रभावित: किसानों, मजदूर और पीड़ितों का 'हिमाचली' समाचारपत्र बना रहा। उन्होंने प्रताप के अलावा प्रभा नामक एक साहित्यिक पत्रिका तथा एक राजनीतिक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया।

जानवारी 1921 में रावबरेली के एक तालाबलुकदार सरदार वीरपाल सिंह ने किसानों पर गोलियों चलावा दीं। प्रताप के संपादक के रूप में गुणेश शंकर विद्यार्थी ने इस घटनाक्रम का पूरा विवरण अपने अखबार में छपा। इसके लिए उन पर तथा प्रताप छापने वाले शिवनारायण मिश्र पर महानगिन का मुकदमा दत्त किया गया और उन्हें जेल में हो गये। 16 अक्टूबर 1921 को विद्यार्थी ने

स्वयं गिरफ्तारी दी और 22 मई 1922 को जेल से रिहा हुए। जेल में रहते हुए उन्होंने एक डायरी लिखी और रिहाई के बाद उन्होंने उसी पर आधारित जेल जीवन की झलक नामक एक ऐसी शृंखला छपी, जिसे अत्यधिक पसंद किया गया और प्रताप के साथ पाठकों का काफ़ीला जुड़ता गया। उसके बाद तो अँग्रेजों ने उन्हें पतन-वेवक लपेटे का कोई अवसर नहीं छोड़ा, लेकिन विद्यार्थी अपने क्रांतिकारी विचारों से जरा भी नहीं डरे।

जेल से रिहाई के कुछ ही समय बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फिर गिरफ्तार कर लिया गया और 1924 में तब गिरफ्तार किया गया, जब उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो

गया। 1925 में राज्यसभा विधानसभा चुनाव में वे कानपुर से चुने गए और कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए लेकिन 1929 में उन्होंने पार्टी की मांग पर त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद वे 1930 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुने गए और उन्हें प्रथमभर में सत्याग्रह का नेतृत्व करने की अहम जिम्मेदारी दी गई। उसी दौरान उन्हें फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और गांधी-इरविन पैक्ट के बाद 9 मार्च 1931 को उनकी जेल से रिहाई हुई।

स्वाधीनता संग्राम के उस दौर में हिन्दू-मुस्लिम एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे थे लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने दोनों समुदायों की भावनाओं को भड़काने का ऐसा खेल खेला कि जगह-जगह हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे भड़कने लगे। हिंसा शुरू हो गई। कानपुर शहर दंगों की मज से झुलस उठा। गोपेश शंकर विद्यार्थी का मन इन दंगों से व्यथित हुआ और वे स्वयं इन दंगों को रोकने तथा दोनों समुदायों में भाईचारा कायम करने के लिए सड़क पर उतर गए। हजारों लोगों की जान बचाई। मगर वो कुछ दमाइयों के बीच फँस गए। यह लोग उन्हें पहचानते नहीं थे। उसके बाद उनकी बहुत खोज की गई कि वे कहीं नहीं मिले। आखिर में उनका पार्थिव शरीर एक अस्पताल में लाशों के ढेर में मिला। यह इतना फूल गया था कि लोग

पहचान भी नहीं पा रहे थे। इस प्रकार 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दिए जाने के दो ही दिन बाद देश ने 25 मार्च को अपनी कलम की ताकत से ब्रिटिश हुकूमत की रातों की नींद और दिन का चैन उड़ाने वाला निषेध, निषेध, ईमानदार, यशस्वी व क्रांतिकारी पत्रकार खो दिया। 29 मार्च, 1931 को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

गणेश शंकर विद्यार्थी जीवन पर्यंत जिस धार्मिक कटुता तथा उन्माद के खिलाफ आवाज उठाते रहे, वही धार्मिक उन्माद उनकी ज़िंदगी लील गया। 27 अक्टूबर, 1924 को विद्यार्थी जी ने प्रताप में धर्म की आड़ शीर्षक से लेख में लिखा था, देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पत्ति किए जा रहे हैं। लोग धर्म का मर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग कुछ भी समझते-बूझते नहीं हैं। दूसरे लोग इन्हें जिघ्र जोतते हैं, ये लोग उधर ही जुत जाते हैं। यह गणेश शंकर विद्यार्थी ही थे, जिन्होंने श्याम लाल गुप्त पार्श्व लिखित जीत झंडा ऊंचा रहे हमारा का जलियाँवाला हत्याकांड की बरसी पर 13 अप्रैल, 1924 से गायन शुरू कराया था।

ऐसे क्रांतिकारी पत्रकार और महान स्वाधीनता सेनानी को बलिदान दिवस पर हर साल कृष्ण देश याद करता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



बजट देया: मूडु बिंदु



- आरखण्ड कृषि कृषि माजी योजना दे 4.5 लाख ए.जी. पूरे: किसान को ₹1,727 करोड़ देया: कृषि माजी
- सुरास राहत योजना लागिड 13 लाख किसान को: साता दे ₹461 करोड़ देया: राशि इस्तेमाल जाला ओन्ही: सादे-वा बज को देया को एन्ही वा
- 5 एकड़ से कम क्षेत्र देया बांटा देया: लीसोड आतीले लागिड ओन्ही: डीप सीरिंग लागिड ₹500 करोड़
- सुखसमी पशुधन योजना दे लाखों किसान को जुड़ी से देया लागिड ₹300 करोड़ देया बजट देया
- गिरिदोह ओन्ही: जमशेदपुर दे बाबा डेवरी प्लान ओन्ही: रांची दे दूध उत्पाद प्लान स्थापित होखला
- लाखों दूध उत्पादक को ला एसे ₹3 प्रति लीटर देया दट से प्रोत्साहन राशि को लगेला
- किलोड उत्पादन देया: प्रोत्साहन लागिड आरखण्ड राज्य मिलेट मिशन देया: सुकपात होखला



- बिस्वा सिंचाई कृषि संवर्धन मिशन पावो 1 लाख किसान को: सिंचि और दे सिंचाई कृषि देया: सिंचाई होखला
- पी एस अग्राल - प्राथमिक इलाका दे ओवा: बई लागिड ₹3,542 करोड़ देया: प्रस्ताव होखला



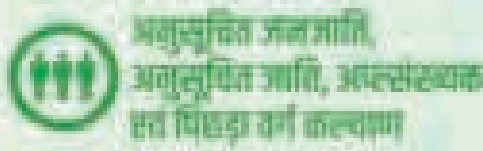
- पी एस ग्राम सड़क अंतर्गत 3,100 किलोमीटर ओन्ही: 143 पुल बई देया: योजना देया
- सी एस ग्राम सड़क अंतर्गत सामिल संस्थाएं जमशेद, बाजार-बाट, पंचायत कार्यालय, मिडिल हाई स्कूल, पोस्ट-ओफिस, बैंक को पक्का होरा ली. जी.पी. देया: योजना देया
- पावली होरा को बाई-वे लागिड होरा देया: स्वयं सहायता ओन्ही: डिजिटल सहायता देया: योजना सुक होखला



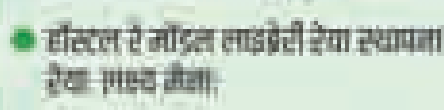
- 80 जगह स्कूल ओन्ही: 325 प्रखंड स्तरीय लीटर स्कूल को ली. से 4,091 ग्राम पंचायत स्तर दे आर्ट्स स्कूल देया: पलाइटी होखला जाला
- नेतराट स्कूल लीका बाईबास, दुलका ओन्ही: बीचरी दे आवासीय विद्यालय देया: मिशन होखला
- गुरुजी केडिट काई योजना, गुरुधन शिवा प्रोत्साहन योजना ओन्ही: एक्साट प्रसिद्ध योजना पावो करीब 37,000 छात्र-छात्रा को लाभ देया को देया: लक्ष्य देया



- सुखसमी राहरी योजना पावो 14,00,000 सेपेड सामान को बीटल प्रसिद्ध को लगेला: प्रसिद्ध मासोम से रोजगार वा लगी: दे 6 महीने लागिड सेपेड को ₹1,000 ओन्ही: सामान ओन्ही: दिव्यांग को ₹1,500 प्रति महीने को लगेला



- वित्तिय वर्ष 2022-23 दे पी नोटिक एक्साटि तात 22 लाख ए.जी. पूरे: पट्टा को ₹462 करोड़ ए.जी. पूरे: को सुपाक देया
- सुखसमी रोजगार सुजन योजना (जमशेद) पावो 5,600 युवा को ला: जीवन लाभ को लगेला कट्टा: 2023-24 दे योजना पावो 2 लाख युवा को लाभ देया को देया: लक्ष्य देया
- सर्विस छात्रावास दे छात्र-छात्रा को जि: सुक जाला-साई ओन्ही: डॉक्टर दे स्टेडीवा ओन्ही: एक्सा लगी को टाकले



- डॉक्टर दे नोटिड लाइवरी देया स्थापना देया: लक्ष्य देया
- जलजलीय संस्कृति ओन्ही: कला केंद्र दे पारम्परिक कार्यक्रम देया: आयुर्दे देया: प्रस्ताव देया
- माकड़ी, मुद्रा, टांगुआ एक्सा को आयुर्दे, प्रसारित ओन्ही: वित्तीय पलाइटी लागिड दीवदिया ग्राम देया को देया: प्रस्ताव देया



- स्वास्थ्य, शिक्षा शिवा एवं परिवार कल्याण
- वेवादी ओन्ही: रांची दे मेडिकल कॉलेज देया: स्थापना होखला
- पलाइ, बाईबास ओन्ही: दुलका दे क्लीनिकल केंद्र देया: स्थापना प्रस्तावित जाला
- जीवाइल ग्राम क्लिनिक देया: संभारल ओन्ही: प्रसिद्ध
- जाला कर्तिय ओन्ही: पावोसी कॉलेज देया: स्थापना होखला



- सर्वजन पैदाय योजना लागिड ₹2,131 करोड़ प्रस्तावित देया:
- जहिल ओन्ही: किलोटी कल्याण योजना देया: सुकपात होखला
- 900 लाख आगलाइटी भवन देया: सिमिंग होखला



- जल संसाधन
- पलाइ ओन्ही: पलाइ दे जग सिंच सिंचाई परियोजना प्रस्तावित देया: दुलका दे जलसिंचा-सलेक्टर ओन्ही: दीवद-जालाइ दे सिंचाई दे जग सिंच सिंचाई परियोजना देया: पलाइटी होखला देया



- पथ सिंचाई
- रांची दे सिमलौली बैंक एसे राजेंद्र बैंक जेका पलाइओवर, कलौली पलाइओवर ओन्ही: सिमल सिंचाई एसे कल्याण जीवन पलाइटी देया: पलाइटी होखला देया
- जेल रोज को बाईओलेस: जेल: 1. साहेबगंज-कलौट-जालाइ-दुलका-गोविंदपुर 2. कौटला-जलुआ-गिरिदोह-दुटी-गोविंदपुर (5M-13) 3. सतलंग-जिंदरीबाद



- ऊर्जा
- 100 सुनिश्चित सुक विद्युत योजना दे 18 लाख उपभोक्ता को लाभ को लगेला जाला: वित्तिय वर्ष 2023-24 दे योजना लागिड ₹2,300 करोड़ देया: बजट देया



- पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य
- खेलकूद को बढ़ाओ लागिड कला एवं ट्रेनिंग केंद्र ओन्ही: सिंधी-कावू युवा कला देया: स्थापना होखला



- कपट विकास एवं अग्राल
- राजग ओन्ही: सिमलौली राहरी जलपुर्ति ओन्ही: 45 बीटा को देया: जीनीदार होखला
- सुखसमी योजना ओन्ही: मेडिकल जग राहरी जलपुर्ति योजना ओन्ही: रांची डेक कल देया: मिशन होखला

JHARKHAND MUNICIPAL DEVELOPMENT PROJECT (JMOP) दे एक्साट, गुजला ओन्ही: जपली जग सिंचाई दे राहरी जलपुर्ति योजना देया: पलाइटी भाइयो: लागिडको देया: एक्साट देया



- जल पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन
- लघु वन उत्पाद को: प्रसिद्ध एक्साट को: प्रोत्साहन
- सुख बिट देया: कट्टा को, ओक्सा दे ला: जेका पलाइ होरा का सेटल काम, एल सामिल लघु को पक्का होरा ली. जी.पी. देया: लक्ष्य